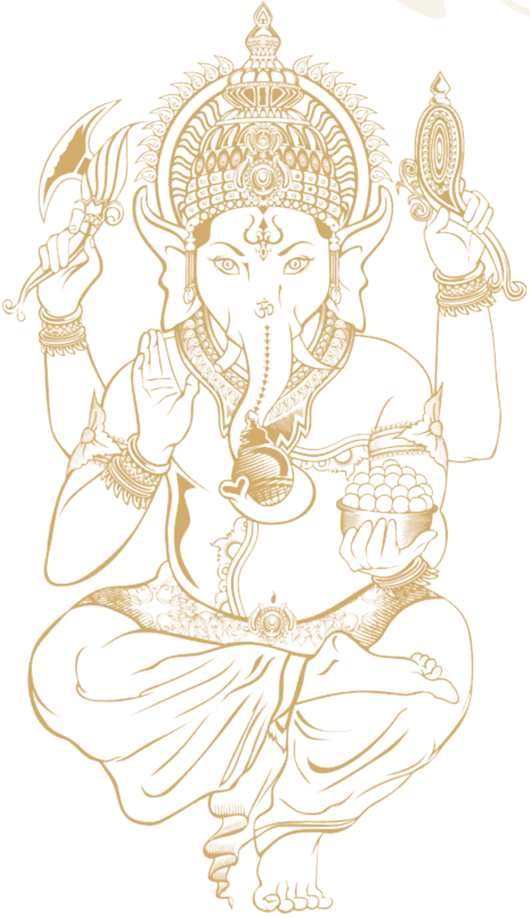

Meena salaria

23 Jul 1963

04:20 AM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120885701

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22-23/07/1963	जन्म तिथि	**23/07/2026**
सोम-मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:20:00	जन्म समय	07:50:31 घंटे
घटी 56:48:54	जन्म समय(घटी)	05:32:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:36:26	सूर्योदय	05:37:24
19:17:46	सूर्यास्त	19:17:22
23:20:38	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:50
मिथुन	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	तुला
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
मघा	नक्षत्र	विशाखा
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	2
व्यतिपात	योग	शुभ
तैतिल	करण	तैतिल
मा-माणिक	जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सर्प
63	गत/तत्कालिक वर्ष	64

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

जन्म - विवरण   वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	4	18:38:22	मिथु			लग्न			सिंह	03:34:57	2	मघा
पुष्य	1	06:03:11	कर्क			सूर्य			कर्क	06:03:11	1	पुष्य
मघा	1	02:09:08	सिंह			चंद्र			तुला	24:24:53	2	विशाखा
उ०फाल्गुनी	3	04:07:12	कन्या			मंगल			वृष	22:46:33	4	रोहिणी
पुष्य	4	16:07:17	कर्क		अ	बुध	व		मिथु	22:07:14	1	पुनर्वसु
रेवती	3	25:37:51	मीन			गुरु		अ	कर्क	10:45:36	3	पुष्य
पुनर्वसु	2	25:36:29	मिथु			शुक्र			सिंह	20:25:13	3	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	2	27:56:54	मक	व		शनि			मीन	20:30:27	2	रेवती
पुनर्वसु	3	27:04:51	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	06:00:56	4	धनिष्ठा
उत्तराषाढ़ा	1	27:04:51	धनु	व		केतु	व		सिंह	06:00:56	2	मघा
मघा	4	10:03:31	सिंह			मु			कन्या	18:38:22	3	हस्त

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:50

लग्न-चलित

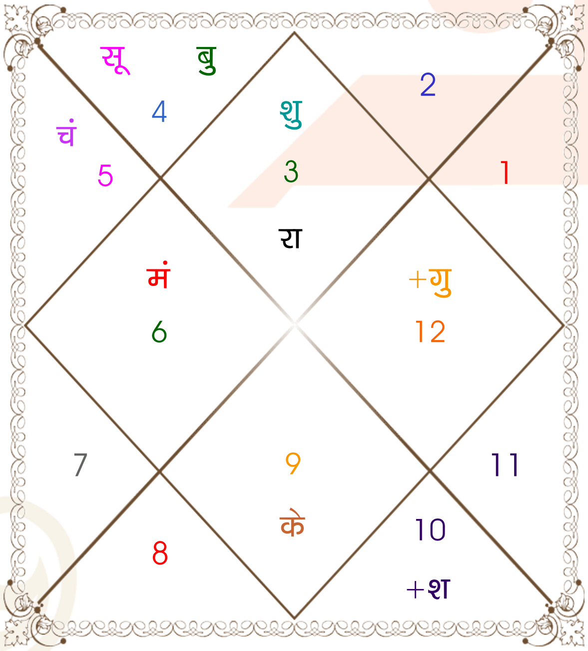

वर्ष लग्न कुंडली

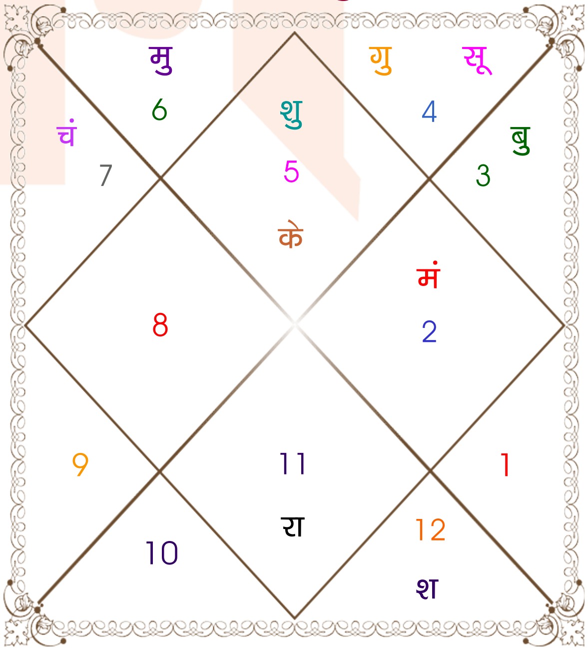

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

चन्द्र कुंडली

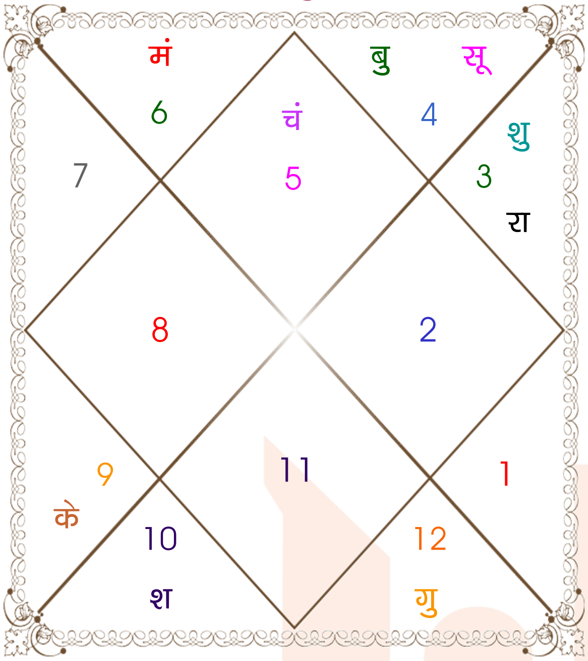

वर्ष चन्द्र कुंडली

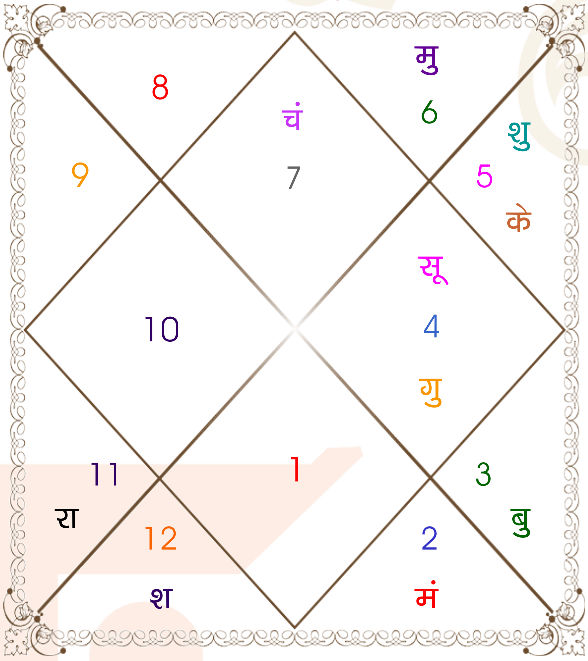

नवमांश कुंडली

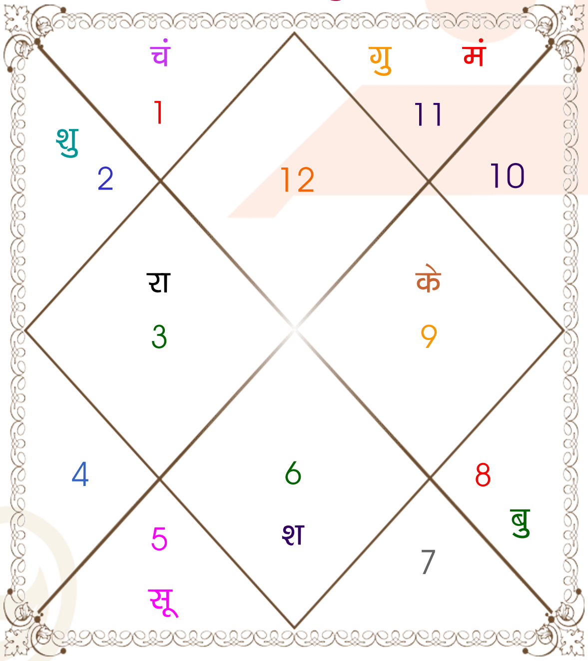

वर्ष नवमांश कुंडली

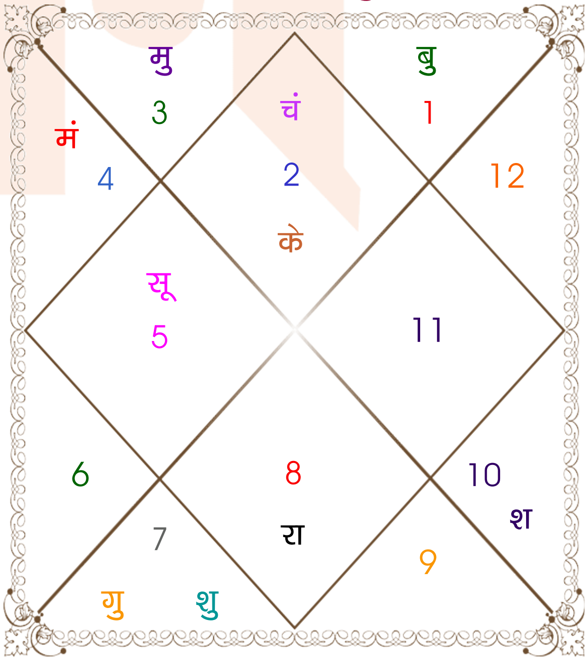

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
चन्द्र	शत्रु	---	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम
मंगल	मित्र	सम	---	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	सम	मित्र	सम	---	सम	मित्र	शत्रु
गुरु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	---	सम	मित्र
शुक्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	---	सम
शनि	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	कर्क	तुला	वृष	मिथु	कर्क	सिंह	मीन
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह
द्रेष्काण	कुंभ	वृष	धनु	मक	सिंह	कन्या	मेष	वृश्चि
चतुर्थांश	सिंह	कर्क	कर्क	कुंभ	धनु	तुला	कुंभ	कन्या
पंचमांश	मेष	कन्या	तुला	मक	मिथु	कन्या	मिथु	मक
षष्ठांश	मेष	वृश्चि	सिंह	कुंभ	सिंह	धनु	सिंह	कुंभ
सप्तमांश	सिंह	कुंभ	मीन	मेष	वृश्चि	मीन	धनु	मक
अष्टमांश	सिंह	वृष	तुला	कुंभ	तुला	मिथु	मक	तुला
नवमांश	वृष	सिंह	वृष	कर्क	मेष	तुला	तुला	मक
दशमांश	कन्या	वृष	मिथु	सिंह	मक	मिथु	कुंभ	वृष
एकादशांश	सिंह	सिंह	वृष	धनु	मक	कन्या	कुंभ	कन्या
द्वादशांश	कन्या	कन्या	कर्क	कुंभ	कुंभ	वृश्चि	मेष	वृश्चि

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	सम	मित्र
होरा	शत्रु	स्व	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
द्रेष्काण	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
चतुर्थांश	शत्रु	स्व	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	स्व	सम	मित्र	स्व
षष्ठांश	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	स्व	सम	स्व
सप्तमांश	मित्र	शत्रु	स्व	सम	स्व	सम	स्व
अष्टमांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	सम	सम	सम
नवमांश	स्व	मित्र	सम	सम	सम	स्व	स्व
दशमांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम	सम
एकादशांश	स्व	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम	शत्रु
द्वादशांश	सम	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
शुभ	4	9	10	4	3	3	8
सम	5	0	1	5	7	7	2
अशुभ	3	3	1	3	2	2	2
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	5	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	5	5	0	0
तृतीय बल	5	5	5	0	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	10	10	5	15	5	5
बल	सामान्य	सामान्य	सामान्य	क्षीण	बली	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	7.50	30.00	7.50	15.00	22.50
उच्च बल	10.44	0.95	7.25	10.79	19.36	4.06	3.28
हददा बल	11.25	11.25	11.25	7.50	7.50	11.25	11.25
द्रेष्काण	5.00	2.50	7.50	5.00	5.00	2.50	7.50
नवमांश	5.00	3.75	2.50	2.50	2.50	5.00	5.00
कुल	39.19	40.95	36.00	55.79	41.86	37.81	49.53
विंशोपक	9.80	10.24	9.00	13.95	10.47	9.45	12.38
बल	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	बुध	13.95	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	9.80	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	13.95	शुभ	बुध
दिवापति	चंद्र	10.24	शुभ	
त्रिराशिपति	गुरु	10.47	दृष्टि नहीं	

पात्यंश दशा

लग्न	सूर्य	गुरु	शुक्र	शनि
23/07/2026	**14/09/2026**	**21/10/2026**	**31/12/2026**	**24/05/2027**
14/09/2026	**21/10/2026**	**31/12/2026**	**24/05/2027**	**26/05/2027**
लग्न 31/07/2026	सूर्य 18/09/2026	गुरु 04/11/2026	शुक्र 26/02/2027	शनि 24/05/2027
सूर्य 05/08/2026	गुरु 25/09/2026	शुक्र 02/12/2026	शनि 27/02/2027	बुध 24/05/2027
गुरु 15/08/2026	शुक्र 10/10/2026	शनि 02/12/2026	बुध 08/03/2027	मंगल 24/05/2027
शुक्र 06/09/2026	शनि 10/10/2026	बुध 07/12/2026	मंगल 12/03/2027	चंद्र 25/05/2027
शनि 06/09/2026	बुध 12/10/2026	मंगल 09/12/2026	चंद्र 22/03/2027	लग्न 25/05/2027
बुध 09/09/2026	मंगल 13/10/2026	चंद्र 13/12/2026	लग्न 12/04/2027	सूर्य 25/05/2027
मंगल 11/09/2026	चंद्र 16/10/2026	लग्न 24/12/2026	सूर्य 26/04/2027	गुरु 25/05/2027
चंद्र 14/09/2026	लग्न 21/10/2026	सूर्य 31/12/2026	गुरु 24/05/2027	शुक्र 26/05/2027

बुध	मंगल	चंद्र	चंद्र	चंद्र
26/05/2027	**19/06/2027**	**29/06/2027**	**29/06/2027**	**29/06/2027**
19/06/2027	**29/06/2027**	**23/07/2027**	**23/07/2027**	**23/07/2027**
बुध 27/05/2027	मंगल 19/06/2027	चंद्र 30/06/2027	चंद्र 30/06/2027	चंद्र 30/06/2027
मंगल 28/05/2027	चंद्र 20/06/2027	लग्न 04/07/2027	लग्न 04/07/2027	लग्न 04/07/2027
चंद्र 29/05/2027	लग्न 21/06/2027	सूर्य 06/07/2027	सूर्य 06/07/2027	सूर्य 06/07/2027
लग्न 02/06/2027	सूर्य 22/06/2027	गुरु 11/07/2027	गुरु 11/07/2027	गुरु 11/07/2027
सूर्य 04/06/2027	गुरु 24/06/2027	शुक्र 21/07/2027	शुक्र 21/07/2027	शुक्र 21/07/2027
गुरु 09/06/2027	शुक्र 28/06/2027	शनि 21/07/2027	शनि 21/07/2027	शनि 21/07/2027
शुक्र 19/06/2027	शनि 28/06/2027	बुध 22/07/2027	बुध 22/07/2027	बुध 22/07/2027
शनि 19/06/2027	बुध 29/06/2027	मंगल 23/07/2027	मंगल 23/07/2027	मंगल 23/07/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

मुद्दा दशा

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल	
23/07/2026		**13/08/2026**		**13/10/2026**		**31/10/2026**		**01/12/2026**	
13/08/2026		**13/10/2026**		**31/10/2026**		**01/12/2026**		**22/12/2026**	
केतु	24/07/2026	शुक्र	23/08/2026	सूर्य	14/10/2026	चंद्र	03/11/2026	मंगल	02/12/2026
शुक्र	28/07/2026	सूर्य	26/08/2026	चंद्र	15/10/2026	मंगल	05/11/2026	राहु	05/12/2026
सूर्य	29/07/2026	चंद्र	31/08/2026	मंगल	17/10/2026	राहु	09/11/2026	गुरु	08/12/2026
चंद्र	30/07/2026	मंगल	04/09/2026	राहु	19/10/2026	गुरु	13/11/2026	शनि	11/12/2026
मंगल	01/08/2026	राहु	13/09/2026	गुरु	22/10/2026	शनि	18/11/2026	बुध	14/12/2026
राहु	04/08/2026	गुरु	21/09/2026	शनि	25/10/2026	बुध	22/11/2026	केतु	16/12/2026
गुरु	07/08/2026	शनि	01/10/2026	बुध	27/10/2026	केतु	24/11/2026	शुक्र	19/12/2026
शनि	10/08/2026	बुध	09/10/2026	केतु	28/10/2026	शुक्र	29/11/2026	सूर्य	20/12/2026
बुध	13/08/2026	केतु	13/10/2026	शुक्र	31/10/2026	सूर्य	01/12/2026	चंद्र	22/12/2026

राहु		गुरु		शनि		बुध		बुध	
22/12/2026		**15/02/2027**		**05/04/2027**		**01/06/2027**		**01/06/2027**	
15/02/2027		**05/04/2027**		**01/06/2027**		**23/07/2027**		**23/07/2027**	
राहु	30/12/2026	गुरु	21/02/2027	शनि	14/04/2027	बुध	09/06/2027	बुध	09/06/2027
गुरु	07/01/2027	शनि	01/03/2027	बुध	22/04/2027	केतु	12/06/2027	केतु	12/06/2027
शनि	15/01/2027	बुध	08/03/2027	केतु	25/04/2027	शुक्र	20/06/2027	शुक्र	20/06/2027
बुध	23/01/2027	केतु	11/03/2027	शुक्र	05/05/2027	सूर्य	23/06/2027	सूर्य	23/06/2027
केतु	26/01/2027	शुक्र	19/03/2027	सूर्य	08/05/2027	चंद्र	27/06/2027	चंद्र	27/06/2027
शुक्र	04/02/2027	सूर्य	21/03/2027	चंद्र	13/05/2027	मंगल	30/06/2027	मंगल	30/06/2027
सूर्य	07/02/2027	चंद्र	25/03/2027	मंगल	16/05/2027	राहु	08/07/2027	राहु	08/07/2027
चंद्र	12/02/2027	मंगल	28/03/2027	राहु	25/05/2027	गुरु	15/07/2027	गुरु	15/07/2027
मंगल	15/02/2027	राहु	05/04/2027	गुरु	01/06/2027	शनि	23/07/2027	शनि	23/07/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - शनि
25/11/2025 16:44
18/05/2026 04:35

शनि	23/12/2025 04:01
बुध	16/01/2026 17:53
केतु	26/01/2026 20:47
शुक्र	24/02/2026 18:45
सूर्य	05/03/2026 10:57
चंद्र	19/03/2026 21:56
मंगल	30/03/2026 00:50
राहु	25/04/2026 01:24
गुरु	18/05/2026 04:35

राहु - शुक्र - बुध
18/05/2026 04:35
20/10/2026 10:08

बुध	09/06/2026 04:22
केतु	18/06/2026 05:42
शुक्र	14/07/2026 02:37
सूर्य	21/07/2026 20:54
चंद्र	03/08/2026 19:22
मंगल	12/08/2026 20:41
राहु	05/09/2026 03:31
गुरु	25/09/2026 20:15
शनि	20/10/2026 10:08

राहु - शुक्र - केतु
20/10/2026 10:08
23/12/2026 08:11

केतु	24/10/2026 03:37
शुक्र	03/11/2026 19:18
सूर्य	06/11/2026 24:00
चंद्र	12/11/2026 07:50
मंगल	16/11/2026 01:19
राहु	25/11/2026 15:26
गुरु	04/12/2026 03:58
शनि	14/12/2026 06:52
बुध	23/12/2026 08:11

राहु - सूर्य - सूर्य
23/12/2026 08:11
08/01/2027 18:39

सूर्य	24/12/2026 03:54
चंद्र	25/12/2026 12:47
मंगल	26/12/2026 11:47
राहु	28/12/2026 22:58
गुरु	31/12/2026 03:33
शनि	02/01/2027 18:01
बुध	05/01/2027 01:54
केतु	06/01/2027 00:55
शुक्र	08/01/2027 18:39

राहु - सूर्य - चंद्र
08/01/2027 18:39
05/02/2027 04:06

चंद्र	11/01/2027 01:27
मंगल	12/01/2027 15:48
राहु	16/01/2027 18:25
गुरु	20/01/2027 10:04
शनि	24/01/2027 18:10
बुध	28/01/2027 15:18
केतु	30/01/2027 05:39
शुक्र	03/02/2027 19:14
सूर्य	05/02/2027 04:06

राहु - सूर्य - मंगल
05/02/2027 04:06
24/02/2027 08:19

मंगल	06/02/2027 06:57
राहु	09/02/2027 03:59
गुरु	11/02/2027 17:21
शनि	14/02/2027 18:13
बुध	17/02/2027 11:25
केतु	18/02/2027 14:15
शुक्र	21/02/2027 18:57
सूर्य	22/02/2027 17:58
चंद्र	24/02/2027 08:19

राहु - सूर्य - राहु
24/02/2027 08:19
14/04/2027 15:44

राहु	03/03/2027 17:50
गुरु	10/03/2027 07:37
शनि	18/03/2027 03:00
बुध	25/03/2027 02:39
केतु	27/03/2027 23:40
शुक्र	05/04/2027 04:55
सूर्य	07/04/2027 16:05
चंद्र	11/04/2027 18:42
मंगल	14/04/2027 15:44

राहु - सूर्य - गुरु
14/04/2027 15:44
28/05/2027 11:39

गुरु	20/04/2027 11:59
शनि	27/04/2027 10:32
बुध	03/05/2027 15:34
केतु	06/05/2027 04:55
शुक्र	13/05/2027 12:15
सूर्य	15/05/2027 16:50
चंद्र	19/05/2027 08:30
मंगल	21/05/2027 21:52
राहु	28/05/2027 11:39

राहु - सूर्य - शनि
28/05/2027 11:39
19/07/2027 12:48

शनि	05/06/2027 17:26
बुध	13/06/2027 02:24
केतु	16/06/2027 03:16
शुक्र	24/06/2027 19:27
सूर्य	27/06/2027 09:55
चंद्र	01/07/2027 18:01
मंगल	04/07/2027 18:53
राहु	12/07/2027 14:15
गुरु	19/07/2027 12:48

राहु - सूर्य - बुध
19/07/2027 12:48
04/09/2027 02:28

बुध	26/07/2027 03:08
केतु	28/07/2027 20:20
शुक्र	05/08/2027 14:37
सूर्य	07/08/2027 22:30
चंद्र	11/08/2027 19:38
मंगल	14/08/2027 12:50
राहु	21/08/2027 12:29
गुरु	27/08/2027 17:30
शनि	04/09/2027 02:28

राहु - सूर्य - केतु
04/09/2027 02:28
23/09/2027 06:41

केतु	05/09/2027 05:19
शुक्र	08/09/2027 10:01
सूर्य	09/09/2027 09:02
चंद्र	10/09/2027 23:23
मंगल	12/09/2027 02:14
राहु	14/09/2027 23:15
गुरु	17/09/2027 12:37
शनि	20/09/2027 13:29
बुध	23/09/2027 06:41

राहु - सूर्य - शुक्र
23/09/2027 06:41
17/11/2027 01:35

शुक्र	02/10/2027 09:50
सूर्य	05/10/2027 03:35
चंद्र	09/10/2027 17:09
मंगल	12/10/2027 21:51
राहु	21/10/2027 03:06
गुरु	28/10/2027 10:25
शनि	06/11/2027 02:36
बुध	13/11/2027 20:53
केतु	17/11/2027 01:35

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रुकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। इस समय आप में बल एवं उत्साह के भाव की अधिकता रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी फलतः इनमें आपको वांछित सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा दूर दूर तक यश भी व्याप्त होगा। इससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको उचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। मित्रों संबधियों तथा बन्धुवर्ग से भी इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं उनसे आप लाभ अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक रूचि रहेगी तथा समय समय पर रूचि पूर्वक आप इनका भक्षण करेंगी।

इस वर्ष में उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक नेताओं से आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी।इस समय आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा जिससे पारिवारिक तथा दाम्पत्य सुख में मधुरता रहेगी तथा आपका समय शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
23/07/2026 07:50:31 से 23/08/2026 14:54:24 तक

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा मानप्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा बन्धुवर्ग एवं मित्रों से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय उच्चाधिकार प्राप्तवर्ग से आश्रय प्राप्त करेंगी एवं मिष्ठानोपभोग करने में भी रूचिशील रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की इसमें वृद्धि होती रहेगी। इस समय शत्रु भी आपसे पराजित होंगे एवं भय की भी वे अनुभूति करेंगे। साथ ही व्यापार आदि कार्यों में भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा पूर्णरूपेण धनलाभ अर्जित करके धर्म का अनुपालन करेंगी तथा समाज में कीर्ति तथा सम्मान भी प्राप्त होगा।

द्वितीय मास
23/08/2026 14:54:24 से 23/09/2026 12:35:52 तक

आप इस मास में शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी तथा मान एवं प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी एवं वे आपसे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों की भलाई के कार्यों को भी आप यत्नपूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा उनसे यथोचित सम्मान एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी साथ ही आपके परस्पर सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा इनकी सेवा एवं पूजन में तत्पर रहेंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठत एवं सम्माननीया रहेंगी इसके अतिरिक्त आपकी अधिकांश असफल आशाएं भी इस समय पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः वायु से उत्पन्न रोगों से पीड़ित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः बुद्धिमता से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
23/09/2026 12:35:52 से 23/10/2026 22:02:43 तक

इस महीने में आप शुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगे।पति या

पुरुषवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति आपकी इच्छा जाग्रत होगी एवं इसमें आप सफल रहेंगी ।मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा इनसे अपेक्षित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस मास आप वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति करेंगी एवं सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगी। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगी एवं उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा एवं सर्वत्र आपको उचित मान प्रतिष्ठा की प्रप्ति होगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतःआपको गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति होगी एवं रक्त विकार की भी सम्भावना रहेगी तथा अग्नि से भी धन हानि हो सकती है। अतः सोच समझ कर अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास
23/10/2026 22:02:43 से 22/11/2026 19:43:49 तक

इस मास में आप शुभाशुभ फल प्राप्त करेंगी। इससे आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक दुर्बलता की भी आप अनुभूति करेंगी। साथ ही दुश्मनों से भी आप चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी जिससे मानसिक रूप से चिन्तित एवं अशान्त होंगी। इस समय पारिवारिक जनों से संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा परस्पर मन मुटाव अधिक मात्रा में रहेगा। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय मन्दी आएगी तथा स्थान परिवर्तन के योग भी बन सकते है। साथ ही किसी कारण वश आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से आपके मधुर संबध अल्प ही रहेंगे तथा विवाद अधिक मात्रा में सम्पन्न होंगे जिससे समाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग अथवा अन्य प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगी। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी धार्मिक कार्य कम का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी शुभ फल प्राप्त हो सकते है।

पंचम् मास
22/11/2026 19:43:49 से 22/12/2026 09:09:38 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में अर्जित करेंगी। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप पीड़ित रहेगी। साथ ही शत्रु वर्ग भी इस समय प्रबल रहेगा जिससे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेगी। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगी। पारिवारिक जनों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे

तथा तनाव बना रहेगा। साथ ही व्यापार एवं कार्य क्षेत्र में भी हानि या मंदी भी आ सकती है। इस मास आपके स्थान परिर्वतन होने की भी संभावना रहेगी। सामाजिक जनों से भी आपके मधुर संबध नही रहेंगे एवं उनसे अनबन रहेगी फलतः समाज में सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न बीमारियों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी कारण रक्त विकार भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त इस समय आपको अग्नि के द्वारा भी धन हानि हो सकती है। अतः इस मास में सोच समझकर सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास
22/12/2026 09:09:38 से 20/01/2027 19:51:46 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। आपके उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में यथा समय सिद्ध होंगे। इस समय आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। संतति से भी आपको सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में आपकी कीर्ति दूर दूर तक फैलेगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य यथा समय पूर्ण होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा आप दूर समीप की किसी लाभदायक यात्रा को भी कर सकेंगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा परस्पर वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपनी बुद्धि के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। इस प्रकार आप विविध सुखों का उपभोग करेंगी तथा समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी।

सप्तम् मास
20/01/2027 19:51:46 से 19/02/2027 10:01:01 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा अन्य प्रकार से भी सुखोपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगी। अन्य लोगों की भलाई के लिए भी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय भी प्राप्त करेंगी जिससे आपके सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। इस मास भाई बहिनों का आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आपसी संबध भी मधुरता से युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त

आपके मानसिक संकल्प भी इस समय में पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र द्रव्य या स्वर्णादि के आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक सिद्ध होगा।

अष्टम् मास

19/02/2027 10:01:01 से 21/03/2027 08:59:57 तक

इस मास में आप शुभ फल अल्प तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पति या पुरूष वर्ग से आप कष्ट की अनुभूति करेंगी तथा शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भी नित्य भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में होगा।साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। जिससे आप मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा धनाभाव की समस्या का भी सामना करना पड़ेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लालच की प्रवृति में वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से तनाव पूर्ण संबध होने के कारण उनसे भी आपको कोई सहयोग प्राप्त नहीं होगा तथा वे मित्र होकर शत्रु की तरह आपसे व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपका सामाजिक जनों से वाद विवाद भी होगा। अतः धैर्यपूर्वक समस्याओं का सामना करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप पति तथा बन्धुओं से सहयोग प्राप्त कर सकेंगी तथा अपनी बुद्धि के द्वारा महत्वपूर्ण कार्यो को भी सम्पन्न करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचि का प्रदर्शन करेंगी।

नवम् मास

21/03/2027 08:59:57 से 20/04/2027 20:01:34 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके पति तथा बन्धुवर्ग किसी भी प्रकार से कष्ट प्राप्त करेंगे या आपको कष्ट देंगे। आपके शत्रु इस मास में बलवान रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः आप इनसे चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा मन में लोभ के भाव की वृद्धि होगी।साथ ही धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा। अतः धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस समय आपके उत्साह में कमी आएगी तथा शरीर में निर्बलता भी रहेगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही ऐसे समय में मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। जिससे आप मानसिक रूप से भी कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी आप का विवाद होता रहेगा।अतः संयम पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे पुरूष वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपनी बुद्धि से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी तथा अन्य प्रकार से भी धनार्जन एवं सुख की प्राप्ति होती रहेगी।

दशम् मास

20/04/2027 20:01:34 से 21/05/2027 19:10:33 तक

इस महीने में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी फलतः आपके शत्रु आपसे पराजित तथा भयभीत रहेंगे तथा अन्य लोग भी आपका सम्मान करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी अतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। साथ ही नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होगा जिससे आप अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके अधिकाशं सांसारिक कार्य इस समय सम्पन्न होंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। फलतः कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं लोगों से यथोचित सम्मान प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप वातोत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास

21/05/2027 19:10:33 से 22/06/2027 03:09:21 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप धन व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके पास धनाभाव भी रहेगा। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगी। इस समय मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी सफल नहीं होंगे तथा असफलता ही आपको मिलेगी। धर्म के प्रति भी आप में उपेक्षा का भाव रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपके धन हानि के योग बनेंगे। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे न ही उनसे वांछित सहयोग प्राप्त होगा। इस समय कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। आपके शत्रु भी इस समय बलवान रहेंगे तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप ठंड या वातोत्पन बीमारियों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अलावा अग्नि से भी आप किसी प्रकार की क्षति प्राप्त कर सकती है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

द्वादश मास
22/06/2027 03:09:21 से 23/07/2027 14:05:12 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता बनी रहेगी। शत्रु प क्ष इस मास में आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता है। इस समय में आप 1 उच्चाधिकारी वर्ग तथा सरकार की आज्ञा की उपेक्षा न करें तथा विन्रमता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दण्डित भी हो सकती हैं।साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। फलतः आर्थिक क्षेत्र में भी आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगीं जिससे आपके सम्मान को ठेस पहुँचेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपका मनमुटाव रहेगा तथा आपकी इच्छाएं भी अपूर्ण रहेगी अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य आप समय समय पर शुभ फल भी अर्जित करेंगी।अतः आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नति करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकती हैं।